

प्रेषक,

देवेन्द्र पालीवाल,  
संयुक्त सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
प्रारम्भिक शिक्षा, उत्तराखण्ड,  
ननूरखेडा, देहरादून।

बेसिक शिक्षा (नवसृजित) अनुभाग

देहरादून: दिनांक:

12 अगस्त, 2015

विषय: मध्याह्न भोजन योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2015-16 हेतु तदर्थ रूप में प्रथम किस्त की धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक राज्य परियोजना निदेशक, मध्याह्न भोजन योजना प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड, के पत्र संख्या-रा0प0का0/253/एम0डी0एम0-08(बजट)/2015-16 दिनांक 05.08.2015 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। अवगत कराना है कि भारत सरकार के पत्र सं F.No. 1-11-A/2015-EE. 06(MDM-3-1 दिनांक 29.07.2015 द्वारा मध्याह्न भोजन योजना के संचालनार्थ तदर्थ किस्त के रूप में कमशः अनुदान-11 (सामान्य) में रू0 802.63 लाख, अनुदान सँ0 30 (एस0सी0एस0पी0) में रू0 554.20 लाख एवं अनुदान सँ0 31(टी0एस0पी0) में रू0 70.30 लाख अर्थात् कुल रू0 2282.53 लाख की धनराशि अवमुक्त की गयी है। जिसके सापेक्ष राज्यांश को सम्मिलित करते हुए धनराशि अवमुक्त करने का प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया है।

2- अतः विभागीय प्रस्ताव के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि केन्द्रांश व राज्यांश को सम्मिलित करते हुए संलग्नक-01 में उल्लिखित विवरणानुसार अनुदान सँ0-11 (सामान्य), अनुदान सँ0-30 (एस0सी0एस0पी0) एवं अनुदान सँ0-31(टी0एस0पी0) में कुल रू0 3324.91 लाख (रूपये तेतीस करोड़ चौबीस लाख इक्यानबे हजार मात्र) (रू0 2282.53 लाख केन्द्रांश + रू0 1042.38 लाख राज्यांश) की धनराशि आपके निवर्तन पर रखते हुए निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

- (1) वित्त विभाग के शासनादेश सं0 400/XXVII(1)/2015 दिनांक 01-04-2015 में वर्णित शर्तों का अनुपालन वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्यय की निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि के व्यय में सुनिश्चित किया जायेगा।
- (2) व्यय करने से पूर्व यथास्थिति अधिप्राप्ति नियमावली के सुसंगत प्राविधानों सहित सुसंगत वित्तीय नियमों तथा प्रचलित प्रक्रियाओं का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (3) योजनाओं के विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों/आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा तथा जहां आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति/सहमति प्राप्त की जायेगी। स्वीकृति धनराशि के सापेक्ष, आहरण/व्यय यथा आवश्यकता मासिक व्यय की सारिणी बनाकर किया जाय।



- (4) यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसे मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्त पुस्तिका तथा बजट मैनुअल के नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।
- (5) अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय और इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वित्तीय वर्ष के लिए कदापि न छोड़ी जाय।
- (6) आवंटनों के अनुसार आहरित व्यय के विवरण निर्धारित तिथि तक शासन को अवश्य उपलब्ध करा दिये जाय। इसी प्रकार व्यय के संबंध में व्ययाधिक्य एवं बचतों के विवरण शासन की निर्धारित अवधि के अन्दर उपलब्ध करा दिये जायें।
- (7) मितव्ययता के संबंध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से अनुपालन किया जायेगा।
- (8) व्यय संबंधी जो भी बिल कोषाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाये उसमें लेखाशीर्षक के साथ-साथ अनुदान संख्या का भी उल्लेख किया जाय।

03— इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-11, 30 एवं 31 के अधीन लेखाशीर्षक 2202-01-प्रारम्भिक शिक्षा के अधीन संलग्नक में उल्लिखित संबंधित व्यौरेवार शीर्षक/सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

04— यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश सं0 400/XXVII(1)/2015 दिनांक 01-04-2015 में दिये गये दिशा निर्देशों के क्रम में प्रशासकीय विभाग के स्तर से ही जारी किया जा रहा है।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय,

(देवेन्द्र पालीवाल)

संयुक्त सचिव।

सं0 (i)/XXIV(1)/2015-05/2013 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

01. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, ओवराय बिल्डिंग, देहरादून।
02. महालेखाकार(आडिट), महालेखाकार कार्यालय, वैभव पैलेस, सी-1/105 इन्द्रानगर, देहरादून।
03. मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी देहरादून।
04. राज्य परियोजना निदेशक, मध्यान्ह भोजन योजना प्रकोष्ठ, ननूरखेड़ा देहरादून।
05. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
06. समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड (निदेशक के माध्यम से)
07. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, देहरादून।
08. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
09. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

8/10/15

(नन्दन सिंह बिष्ट)

अनु सचिव।



शासनादेश सं०-1304 /XXIV(1)/2015-05/2013 दिनांक 12-08-15 का संलग्नक।

(धनराशि हजार रुपये में)

लेखाशीर्षक		आय-व्ययक 2015-16 में कुल प्राविधानित धनराशि	स्वीकृत की जा रही धनराशि
<b>अनुदान संख्या-11 (सामान्य) -आयोजनागत</b>			
2202	सामान्य शिक्षा		
01	प्रारम्भिक शिक्षा		
101	राजकीय प्राथमिक विद्यालय		
01	केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएँ		
0102	प्राइमरी शिक्षा में पोषाहार सहायता का राष्ट्रीय कार्यक्रम (एमडीएम)		
	20- सहायक/अनुदान/अंशदान/राज सहायता	1348701	246066
<b>अनुदान संख्या-30 (एस0सी0एस0पी0)-आयोजनागत</b>			
2202	सामान्य शिक्षा		
01	प्रारम्भिक शिक्षा		
101	राजकीय प्राथमिक विद्यालय		
01	केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएँ		
0101	प्राइमरी शिक्षा में पोषाहार सहायता का राष्ट्रीय कार्यक्रम (एमडीएम)		
	20- सहायक/अनुदान/अंशदान/राज सहायता	332796	75225
<b>अनुदान संख्या-31 (टी0एस0पी0)-आयोजनागत</b>			
2202	सामान्य शिक्षा		
01	प्रारम्भिक शिक्षा		
101	राजकीय प्राथमिक विद्यालय		
01	केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएँ		
0101	प्राइमरी शिक्षा में पोषाहार सहायता का राष्ट्रीय कार्यक्रम (एमडीएम)		
	20- सहायक/अनुदान/अंशदान/राज सहायता	66000	11200
	<b>कुल योग (अनुदान सं० 11 + 30 + 31)</b>	<b>1747497</b>	<b>332491</b>

(रुपये तेतीस करोड़ चौबीस लाख इकानबे हजार मात्र)

10.8.2015  
(नन्दन सिंह बिष्ट)  
अनु सचिव